



Mr.

01 Aug 1960

07:45 AM

Tehri

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119081904

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 01/08/1960 : _____ जन्म तिथि _____ : 01/08/2025
 सोमवार : _____ दिन _____ : शुक्रवार
 घंटे 07:45:00 : _____ जन्म समय _____ : 23:25:46 घंटे
 घटी 05:26:47 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 44:38:17 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Tehri : _____ स्थान _____ : Tehri
 उत्तर 30:21:00 : _____ अक्षांश _____ : 30:21:00 उत्तर
 पूर्व 78:29:00 : _____ रेखांश _____ : 78:29:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:16:04 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:16:04 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:34:17 : _____ सूर्योदय _____ : 05:34:27
 19:09:59 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:09:46
 23:18:20 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:12:56
 सिंह : _____ लग्न _____ : मेष
 सूर्य : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : मंगल
 तुला : _____ राशि _____ : तुला
 शुक्र : _____ राशि-स्वामी _____ : शुक्र
 विशाखा : _____ नक्षत्र _____ : स्वाति
 गुरु : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : राहु
 1 : _____ चरण _____ : 4
 शुक्ल : _____ योग _____ : शुभ
 बालव : _____ करण _____ : बव
 ती-तीरथ : _____ जन्म नामाक्षर _____ : ता-तनुजा
 सिंह : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : सिंह
 शूद्र : _____ वर्ण _____ : शूद्र
 मानव : _____ वश्य _____ : मानव
 व्याघ्र : _____ योनि _____ : महिष
 राक्षस : _____ गण _____ : देव
 अन्त्य : _____ नाड़ी _____ : अन्त्य
 सर्प : _____ वर्ग _____ : सर्प
 65 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 66



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
मघा	4	12:23:57	सिंह			लग्न			मेष	14:55:58	1	भरणी
पुष्य	4	15:31:19	कर्क			सूर्य			कर्क	15:31:19	4	पुष्य
विशाखा	1	22:45:54	तुला			चंद्र			तुला	17:54:13	4	स्वाति
कृतिका	3	05:57:56	वृष			मंगल			कन्या	02:32:45	2	उ०फाल्गुनी
पुनर्वसु	3	27:36:46	मिथु			बुध	व	अ	कर्क	14:14:08	4	पुष्य
मूल	1	01:03:46	धनु	व		गुरु			मिथु	17:39:25	4	आर्द्रा
आश्लेषा	3	26:23:53	कर्क			शुक्र			मिथु	07:36:58	1	आर्द्रा
पूर्वाषाढा	3	20:05:04	धनु	व		शनि	व		मीन	07:23:59	2	उ०भाद्रपद
पू०फाल्गुनी	3	22:47:32	सिंह	व		राहु	व		कुंभ	24:51:16	2	पू०भाद्रपद
पू०भाद्रपद	1	22:47:32	कुंभ	व		केतु	व		सिंह	24:51:16	4	पू०फाल्गुनी
आश्लेषा	4	27:17:32	कर्क			मु			मक	12:23:57	1	श्रवण

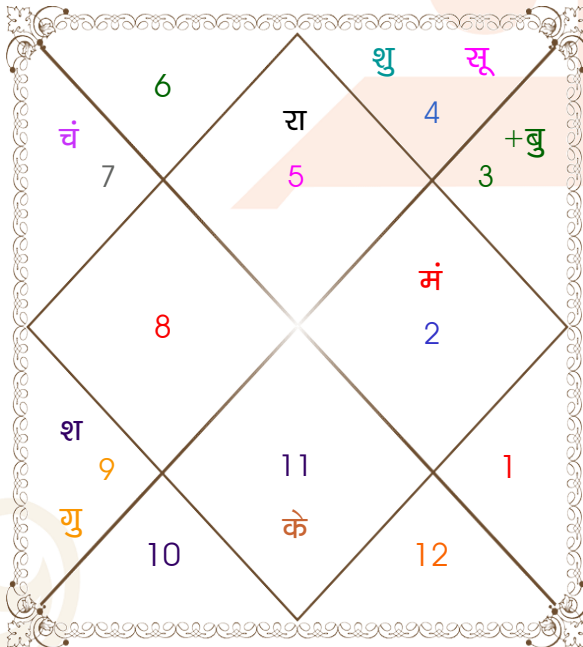
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

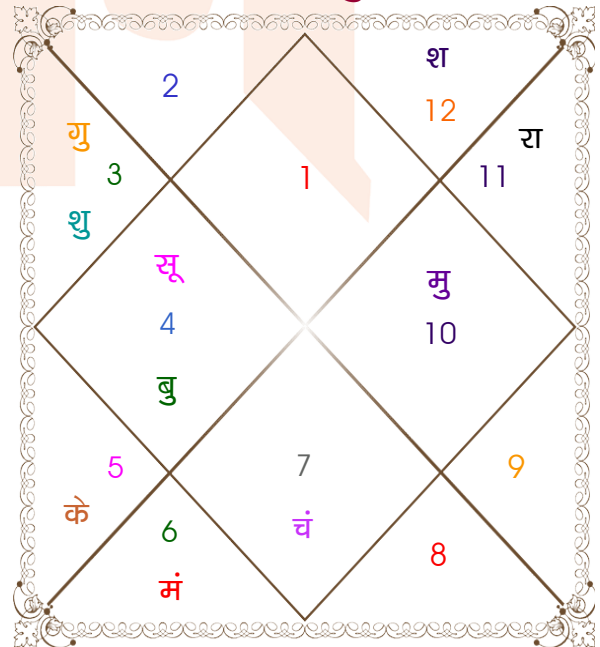
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:56

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - राहु - शुक्र	शुक्र - राहु - सूर्य	शुक्र - राहु - चंद्र	शुक्र - राहु - मंगल
10/05/2025 23:03	09/11/2025 14:03	03/01/2026 08:57	04/04/2026 16:27
09/11/2025 14:03	03/01/2026 08:57	04/04/2026 16:27	07/06/2026 14:30
शुक्र 10/06/2025 09:33	सूर्य 12/11/2025 07:48	चंद्र 10/01/2026 23:34	मंगल 08/04/2026 09:56
सूर्य 19/06/2025 12:42	चंद्र 16/11/2025 21:22	मंगल 16/01/2026 07:25	राहु 18/04/2026 00:02
चंद्र 04/07/2025 17:57	मंगल 20/11/2025 02:04	राहु 30/01/2026 00:08	गुरु 26/04/2026 12:35
मंगल 15/07/2025 09:37	राहु 28/11/2025 07:18	गुरु 11/02/2026 04:20	शनि 06/05/2026 15:28
राहु 11/08/2025 19:04	गुरु 05/12/2025 14:38	शनि 25/02/2026 15:19	बुध 15/05/2026 16:48
गुरु 05/09/2025 03:28	शनि 14/12/2025 06:49	बुध 10/03/2026 13:47	केतु 19/05/2026 10:17
शनि 04/10/2025 01:27	बुध 22/12/2025 01:06	केतु 15/03/2026 21:37	शुक्र 30/05/2026 01:57
बुध 29/10/2025 22:22	केतु 25/12/2025 05:48	शुक्र 31/03/2026 02:52	सूर्य 02/06/2026 06:40
केतु 09/11/2025 14:03	शुक्र 03/01/2026 08:57	सूर्य 04/04/2026 16:27	चंद्र 07/06/2026 14:30
शुक्र - गुरु - गुरु	शुक्र - गुरु - शनि	शुक्र - गुरु - बुध	शुक्र - गुरु - केतु
07/06/2026 14:30	15/10/2026 11:18	18/03/2027 16:30	03/08/2027 16:06
15/10/2026 11:18	18/03/2027 16:30	03/08/2027 16:06	29/09/2027 11:42
गुरु 24/06/2026 22:04	शनि 08/11/2026 21:19	बुध 07/04/2027 05:38	केतु 06/08/2027 23:38
शनि 15/07/2026 11:34	बुध 30/11/2026 17:39	केतु 15/04/2027 06:49	शुक्र 16/08/2027 10:54
बुध 02/08/2026 21:07	केतु 09/12/2026 17:34	शुक्र 08/05/2027 06:45	सूर्य 19/08/2027 07:05
केतु 10/08/2026 10:55	शुक्र 04/01/2027 10:26	सूर्य 15/05/2027 04:20	चंद्र 24/08/2027 00:43
शुक्र 01/09/2026 02:23	सूर्य 12/01/2027 03:29	चंद्र 26/05/2027 16:18	मंगल 27/08/2027 08:16
सूर्य 07/09/2026 14:14	चंद्र 24/01/2027 23:55	मंगल 03/06/2027 17:28	राहु 04/09/2027 20:48
चंद्र 18/09/2026 09:58	मंगल 02/02/2027 23:49	राहु 24/06/2027 10:13	गुरु 12/09/2027 10:37
मंगल 25/09/2026 23:47	राहु 26/02/2027 03:00	गुरु 12/07/2027 19:46	शनि 21/09/2027 10:31
राहु 15/10/2026 11:18	गुरु 18/03/2027 16:30	शनि 03/08/2027 16:06	बुध 29/09/2027 11:42
शुक्र - गुरु - शुक्र	शुक्र - गुरु - सूर्य	शुक्र - गुरु - चंद्र	शुक्र - गुरु - मंगल
29/09/2027 11:42	09/03/2028 19:42	27/04/2028 12:30	17/07/2028 16:30
09/03/2028 19:42	27/04/2028 12:30	17/07/2028 16:30	12/09/2028 12:06
शुक्र 26/10/2027 13:02	सूर्य 12/03/2028 06:08	चंद्र 04/05/2028 06:50	मंगल 21/07/2028 00:02
सूर्य 03/11/2027 15:50	चंद्र 16/03/2028 07:32	मंगल 09/05/2028 00:28	राहु 29/07/2028 12:35
चंद्र 17/11/2027 04:30	मंगल 19/03/2028 03:43	राहु 21/05/2028 04:40	गुरु 06/08/2028 02:24
मंगल 26/11/2027 15:46	राहु 26/03/2028 11:02	गुरु 01/06/2028 00:24	शनि 15/08/2028 02:18
राहु 21/12/2027 00:10	गुरु 01/04/2028 22:53	शनि 13/06/2028 20:50	बुध 23/08/2028 03:28
गुरु 11/01/2028 15:38	शनि 09/04/2028 15:56	बुध 25/06/2028 08:48	केतु 26/08/2028 11:01
शनि 06/02/2028 08:30	बुध 16/04/2028 13:31	केतु 30/06/2028 02:26	शुक्र 04/09/2028 22:17
बुध 29/02/2028 08:26	केतु 19/04/2028 09:42	शुक्र 13/07/2028 15:06	सूर्य 07/09/2028 18:28
केतु 09/03/2028 19:42	शुक्र 27/04/2028 12:30	सूर्य 17/07/2028 16:30	चंद्र 12/09/2028 12:06



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्टान्न भोजन के प्रति विशेष रुचि रहेगी। इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_****

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा अपने सांसारिक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। आप का स्वजनों के प्रति इस समय अत्यंत सद्भाव का भाव रहेगा तथा उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। साथ ही सत्कर्मों को करने में भी आप तत्पर रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपकी आस्था रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राह्मणों की आप नियमपूर्वक सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। इस वर्ष में आप आवास संबंधी योजनाएं बनाएं या आपको नवीन स्थान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इच्छित लाभ एवं उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा। इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा अथवा किसी नवीन कार्य को आप प्रारंभ करेंगे। साथ ही आपके रुके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा आशाओं एवं संकल्पों में भी सफलता मिलेगी। इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण खुशी मिलेगी तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी आपको प्राप्ति हो सकती है। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला रहेगा।